विश्व का राज्य मिलता नही बाहुबल से
योगबल से मिलता राज्य, यह है लॉ
बाप कहते उनका कोई टीचर नही
फिर भी तुम्हें पढाता हूँ
सृष्टि चक्र की नोलेज देता हूँ
पर जन्म मरण में आता नही
मेरा कोई बाप नहीं, टीचर नही ,गुरु नहीं
फिर भी एक्यूरेट ज्ञान सुनाता हूँ
कलयुगी सम्बन्ध को भूल संगमयुगी ब्राह्मण समझना है अब
सच्ची गीता सुननी और सुनानी अब
अपना सब कुछ सफल करना अब
देवता बनाने के लिये पाठशाला व मुजियम खोलने
पुरुषोतम आत्मा को प्रकृति प्रभावित नही कर सकती
चेक करो प्रकृति की हलचल आकर्षित तो नही करती
साधन साधना का आधार तो नही
योगी वा प्रयोगी आत्मा की साधना के के आगे, साधन स्वत आ जाते
ज्ञान के अनुभवी बन दूसरों को अनुभव कराना है
ॐ शांति